Avinashilingam Institute for Home Science and Higher Education for Women
(Deemed to be University) Coimbatore-641 043

Master's Degree Examination- November 2018

SEMESTER-III

Class: IIPG Time: 3 hours
Major: Hindi Max. Marks: 60

17MHJC14 MODERN POETRY

Part A **10x1/2=5**

सही उत्तर को गोलाकृत कीजिए।

1. साकेत का काव्य–रूप क्या है?

 अ. महाकाव्य आ. खण्ड काव्य इ.गीति काव्य ई नाट्य काव्य

2. साकेत में कुल कितने सर्ग हैं?

 अ. 8 आ. 9 इ. 10 ई 12

3. कामायनी का नायक कौन है?

 अ. इंद्र आ. शिव इ. विष्णु ई. मनु

4 जयशंकर प्रसाद किस धारा के कवि थे?

 अ. छायावादी आ. छायावादोत्तर इ. प्रगतिवादी ई प्रयागवादी

5. कुल्लीभाट किसकी रचना है?

 अ. भारतेंदु आ. निराला इ. पंत ई प्रसाद

6. कामायनी का प्रारंभ किससे होता है?

 अ. नृत्य आ. जलक्रीड़ा इ. जलप्लावन ई. पूजा कर्म

7. "रश्मिरथी" किसपर आधारित है?

 अ. रामायण आ. महाभारत इ. पुराण ई. मनुस्मृति

8. "अंधा युग " का काव्यरूप क्या है?

 अ. इतिवृत्तातमक कथा आ. प्रतीकात्मक काव्य–नाटक इ. गीति नाट्य ई. खण्ड काव्य

9. ब्राह्मण के रूप में कर्ण से याचना करने के लिए कौन आते हैं?

 अ. धर्मराज आ. भीम़ इ. इन्द्र ई. वरुण

10. निराला ने किसकी याद में "सरोज स्मृति" की रचना की?

 अ. माता आ. पत्नी इ. बहन ई. पुत्री

Part B

200 शब्दों में या एक पृष्ठ में उत्तर लिखिए। 5 X 4 = 20

11. अ. "शिशिर, न फ़िर गिरि–वन में,
जितना माँगे, पतझड़ दूँगी मैं इस निज नन्दन में
कितना कंपन तुझे चाहितए, ले मेरे इस तन में
सखी कह रही, पाण्डुरता का क्या अभाव आनन में?" (या)

आ. "डूब बची लक्ष्मी पानी में, सती आग में पैठ,
जिए उर्मिला, करे प्रतीक्षा, सहे समी घर बैठ
विधि से चलता रहे विधान
हे मेरे प्रेरक भगवान!"

12. अ. निकल रही थी मर्म वेदना, करुणा विकल कहानी सी
वहाँ अकेली प्रकृति सुन रही, हँसती सी पहचानी सी।। (या)

आ. "बार बार उस भीषण रव से कँपती धरती देख विशेष,
मानों नील व्योम उतरा हो आलिंगन के हेतु अशेष।।"

13. अ. "गीते मेरी, तज रूप–नाम
वर लिया अमर शाश्वत विराम,
पूरे कर शुचितर सपर्याय
जीवन के अष्टादशध्याय। (या)

आ. "हो गया ब्याह, आत्मीय स्वजन
कोई थे नहीं, न आमंत्रण
था भेजा गया, विवाह–राग
भर रहा न घर निशि–दिवस जाग।"

14. अ. "वचन माँग कर नहीं माँगना दान बड़ा अद्भुत है
कौन वस्तु है, जिसे न दे सकता राधा का सुत है?
विप्रदेव! माँगिये छोड़ संकोच वस्तु मनचाही,
मरूँ अयश की मृत्यु, करूँ यदि एक बार भी "नाहीं"!" (या)

आ. " मातुल
फिर तुमको शपथ है
मत देर करो
शायद अभी जीवित है दुर्योधन!
डनके सम्मुख मुझको
घोषित करा दे तुम सेनापति
मैं पथ ढूँढूँगा प्रतिशोध का।"

15. अ. साकेत में गुप्तजी ने किन किन पात्रों को प्रमुखता दी है। (या)

आ. कामायनी काव्य की विशेषताएँ बताइए।

Part C

800 शब्दों में या चार पृष्ठों में उत्तर लिखिए। 5 x 7 = 35

16. अ. साकेत के पुरुष पात्रों का परिचय दीजिए। (या)

आ. उर्मिला का चरित्र चित्रण कीजिए।

17. अ. चिंता सर्ग का सारांश लिखिए। (या)

आ. मनु का चरित्र चित्रण कीजिए।

18. अ. सरोज स्मृति में निराला की भावाभिव्यक्ति का विश्लेषण कीजिए। (या)

आ. छायावादी युग में कवि निराला का स्थान निर्धारित कीजिए।

19. अ. रश्मिरथी के आधार पर कर्ण का चरित्र चित्रण कीजिए। (या)

आ. रश्मिरथी का सारांश लिखते हुए उस शीर्षक के औचित्य के बारे में बताइए।

20. अ. काव्य नाटक के क्षेत्र में अंधा युग का स्थान निर्धारित कीजिए। (या)

आ. अंधा युग की कथावस्तु का परिचय देते हुए पात्रों की विशेषताएँ बताइए।